UNIVERSITY NEWS 06 MARCH 2026

AMAR UJALA

छात्रावास में बुधवार को विदेशी छात्रों ने जमकर रंग और गुलाल लगाया।

भारतीय संस्कृति के रंगों में रंगे विदेशी छात्र

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय छात्रावासों में रह रहे विदेशी छात्रों ने भारत के लोकप्रिय त्यौहार होली को धूमधाम से मनाया। बीरबल साहनी और आचार्य नरेंद्र देव छात्रावास में विदेशी छात्रों ने एक दूसरे को रंग-बिरंगे गुलाल से रंगते हुए भारतीय परंपरा का जबरदस्त लुत्फ उठाया। इस दौरान कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर वीके शर्मा ने वर्चुअल माध्यम से जुड़कर विदेशी विद्यार्थियों को होली का महत्व व इतिहास बताया।

HINDUSTAN

लखनऊ विवि के छात्रावासों में धूमधाम से मनाई होली

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रावास बीरबल साहनी व आचार्य नरेंद्र देव में होली धूमधाम से मनाई गई। विदेशी विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति की जीवंतता और रंगों के उत्सव का अनुभव किया। विद्यार्थियों ने भारतीय विद्यार्थियों को भी रंग गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। कुलपति प्रो. जेपी सैनी और प्रौवस्टवन्यू प्रो. वीके शर्मा ने वर्चुअल माध्यम से छात्रों से होली के विषय में संवाद किया। आयोजन का संचालन चीफ प्रोक्टर प्रो. अनूप कुमार सिंह, प्रोक्टर डॉ. मनीषा गुप्ता तथा छात्रावास अटाक ने किया।

AMAR UJALA

लविवि में परास्नातक फार्मास्युटिक्स और फार्माकोलॉजी को मिली मान्यता

शोध को मिलेगा बढ़ावा, दोनों पाठ्यक्रमों में 15-15 सीटों पर नए सत्र में लिए जाएंगे प्रवेश

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के जानकीपुरम परिसर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) की ओर से फार्मास्युटिकल शिक्षा के तहत संचालित पाठ्यक्रमों के लिए आधिकारिक स्वीकृति मिल गई है। विशेष रूप से एमफार्म (फार्मास्युटिक्स) और एमफार्म (फार्माकोलॉजी) पाठ्यक्रमों को पीसीआई से मान्यता मिलने के बाद अब शैक्षणिक सत्र 2026-27 से इन कोर्सों में प्रवेश के लिए पढ़ाई शुरू होगी। दोनों परास्नातक पाठ्यक्रमों में 15-15 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा।

यहां पहले से संचालित बी. फार्म (स्नातक पाठ्यक्रम) और डी. फार्म (डिप्लोमा पाठ्यक्रम) को भी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पीसीआई ने मान्यता दे दी है। अब विश्वविद्यालय स्नातक से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक फार्मेसी शिक्षा के सभी प्रमुख आयामों को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संचालित करने में सक्षम हो गया है। इससे अब फार्मेसी के विद्यार्थियों के शोध को बढ़ावा भी मिल सकेगा।

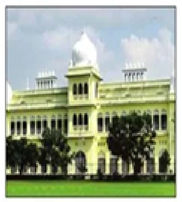

फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से मिली मान्यता

जीवों पर दवाओं के प्रभावों का हो सकेगा अध्ययन

परास्नातक फार्माकोलॉजी की पढ़ाई के दौरान जीवों पर दवाओं के प्रभावों का वैज्ञानिक अध्ययन हो सकेगा। साथ ही जीवों के माध्यम से दवाओं के प्रसंस्करण का अध्ययन करने का मौका मिलेगा। दवा की क्रिया के लिए नए लक्ष्यों की पहचान और सत्यापन करना, और रोगों की रोकथाम, उपचार और उपचार के लिए नई दवाओं का निर्माण और विकास कैसे हो ये भी समझने में आसानी होगी।

परास्नातक फार्मास्युटिक्स से होंगे ये फायदे

ये योग्यता रखने वाले फार्मासिस्ट, अनुसंधान, दवा विकासकर्ता, फार्मेसी प्रबंधक, बायोटेक सलाहकार और अन्य कई पदों पर काम कर सकते हैं। वे दवा निर्माण कंपनियों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं, अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों, विचारकों के साथ भी जुड़ सकते हैं। यहां तक विद्यार्थी खुद का फार्मेसी खोलकर और अपने मालिक बनकर उद्यमी बन सकते हैं।

> विश्वविद्यालय को एम. फार्म पाठ्यक्रमों को स्वीकृति संस्थान की शैक्षणिक प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा, शोध व विशेषज्ञता विकसित करने के व्यापक अवसर प्राप्त होंगे।
> - प्रो. जेपी सैनी, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

PIONEER

LU receives PCI recognition for MPharm programmes

PIONEER NEWS SERVICE
Lucknow

The Institute of Pharmaceutical Sciences at the new campus of Lucknow University has been granted official approval by the Pharmacy Council of India (PCI) to conduct pharmacy education programmes.

In particular, the MPharm (Pharmaceutics) and MPharm (Pharmacology) programmes have received formal recognition from the PCI, marking a historic achievement for the institute.

From the academic session 2026-27, admissions will be offered for 15 seats each in these two post-graduate programmes.

This approval formally validates the institute's high-quality infrastructure, advanced laboratories and research facilities, said the spokesperson of Lucknow University.

"Additionally, the previously running BPharm (undergraduate programme) and DPharm (diploma programme) have also been re-approved by the PCI for the academic session 2026-27. With this, the institute is now fully equipped to offer all major dimensions of pharmacy education – from undergraduate to post-graduate levels – in accordance with national standards," the spokesperson said.

Vice-Chancellor Professor JP Saini stated that the approval of the MPharm programmes was a significant milestone in the institute's academic advancement.

HINDUSTAN

एलयू में एमफार्मा की पढ़ाई होगी आसान

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित फार्मेसी संस्थान में अब दो विधाओं में एमफार्मा की पढ़ाई शुरू हो सकेगी। इसके लिए फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए एलयू के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज को आधिकारिक स्वीकृति प्रदान कर दी है।

15 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा दोनों ही पाठ्यक्रमों में

26 -27 के सत्र से इन दोनों स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा

> एमफार्मा पाठ्यक्रमों की स्वीकृति संस्थान की शैक्षणिक प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शोध एवं विशेषज्ञता विकसित करने के व्यापक अवसर प्राप्त होंगे।
> -प्रोफेसर जेपी सैनी, कुलपति, लखनऊ

इस संबंध में यूनिवर्सिटी के कैफ प्रवक्ता प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि एमफार्मा फार्मास्युटिक्स और एमफार्मा फार्माकोलॉजी पाठ्यक्रमों को पीसीआई से विधिवत मान्यता प्राप्त होना संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से इन दोनों स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 15-15 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। इसके अलावा पहले से संचालित बीफार्मा और डीफार्मा को भी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पीसीआई ने पुनः मान्यता प्रदान की है। इस तरह संस्थान अब स्नातक से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक फार्मेसी शिक्षा के सभी प्रमुख आयामों को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संचालित करने में सक्षम है। वहीं पाठ्यक्रम शुरू होने से छात्रों को कार्यों राहत मिलेगी। साथ ही यूनिवर्सिटी को एक और फैकल्टी में मजबूती मिलेगी। इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

DAINIK JAGRAN

लवि में नए सत्र से होगी एमफार्म की पढ़ाई

ईकेवाइसी की प्रक्रिया पूरी करें विद्यार्थी

लखनऊ : डा. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय पुस्तकीय विश्वविद्यालय में स्नातकों विश्वविद्यालय द्वारा संकाय/विभागों/स्नातकोत्तर टेक्नोलॉजी/स्नातकोत्तर डिप्लोमा योजना के तहत डिजिलॉकर पोर्टल पर कई ऐसे विद्यार्थियों की सूची जारी की गई है जिन्होंने इस पोर्टल पर अपनाई जानेवाली ईकेवाइसी की प्रक्रिया अपूरी है। उन सभी छात्र-छात्राएं तथा प्रक्रिया पूरी करने का समय दिया गया है। ऐसे विद्यार्थियों को ईमेल व मोबाइल पर भी आगे की कार्यवाही की जा रही है।

14 मार्च तक भरें जाएंगे सम सेमेस्टर के परीक्षा फार्म

लखनऊ : विश्वविद्यालय की सम सेमेस्टर के अंतर्गत परीक्षा दामों 14 मार्च तक भरे जा सकेंगे। छात्रों के अनुसार बी. पैथेट कुमार सिंह की ओर से जेबसाइट बनाकर सम सेमेस्टर के फार्म कंप्यूटर पर लगा दिए जाएंगे। परीक्षा फार्म भरने वाले छात्र सभी छात्रावास लगा दीजा जाएगी है। प्रवेश पत्र प्राप्त करने के लिए 25 प्रतिशत उपस्थिति भी अनिवार्य की गई है।

पीएचडी आवेदन के लिए आठ तक मौका

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2025-26 के पूल टाइम और पार्ट टाइम पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश के आनलाइन आवेदन के लिए अंतिम मार्च तक मौका है। अंतिम तिथि के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द ही पीएचडी प्रवेश परीक्षा की समय सारिणी जारी करेगा। 70 अंकों की प्रवेश परीक्षा होगी। इसमें सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को 50% अंक लाना अनिवार्य है। वहीं, एससी, एसटी, ओबीसी, डीएवन्यूएस और फिजिकल डिसेबिलिटी वालों को 45 प्रतिशत अंक लाने होंगे। उसके बाद 30 अंकों का साक्षात्कार होगा। इस बार 42 विषयों में पीएचडी की नियुक्ति आवेदन प्रक्रिया शुरू हुई है। इसमें 932 सीटें पूलटाइम पीएचडी की और 63 सीटें पार्ट टाइम पीएचडी की वालों के लिए हैं। प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर अतिरा शेरवा ने बताया कि कुलपति से अनुमोदन मिलते के बाद प्रवेश परीक्षा की समय सारिणी जारी की जाएगी। गौरतलब है कि इस बार पीएचडी की सर्वाधिक 103 सीटें जियोलाजी विषय की हैं।

VOICE OF LUCKNOW

लविवि को एमफार्म पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए पीसीआई की मान्यता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) द्वारा भैषजिक शिक्षा के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रमों के लिए आधिकारिक स्वीकृति प्रदान की गई है। विशेष रूप से, एम. फार्म (फार्मास्युटिक्स) तथा एम. फार्म (फामाकोलॉजी) पाठ्यक्रमों को पीसीआई से विधिवत मान्यता प्राप्त होना संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से इन दोनों स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 15-15 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। यह स्वीकृति संस्थान की उच्च स्तरीय अधोसंरचना, उन्नत प्रयोगशालाओं एवं शोध-सुविधाओं की औपचारिक पुष्टि करती है। इसके अतिरिक्त, पूर्व से संचालित बी. फार्म (स्नातक पाठ्यक्रम) एवं डी. फार्म (डिप्लोमा पाठ्यक्रम) को भी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पीसीआई द्वारा पुनः मान्यता प्रदान की गई है। इस प्रकार संस्थान अब स्नातक से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक फार्मेसी शिक्षा के सभी प्रमुख आयामों को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संचालित करने में सक्षम है। कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने कहा कि एम. फार्म पाठ्यक्रमों की स्वीकृति संस्थान की शैक्षणिक प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इससे विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा, शोध एवं विशेषज्ञता विकसित करने के व्यापक अवसर प्राप्त होंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय का यह कदम न केवल प्रदेश में बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर फार्मेसी शिक्षा को नई दिशा प्रदान करेगा। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता, उत्कृष्ट अधोसंरचना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण-शोध का प्रमाण है।

AAJ

लविवि को एमफार्म पाठ्यक्रमों को पीसीआई की मान्यता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज को फार्मेसी काउंसिल ऑफइंडिया पीसीआई द्वारा भैषजिक शिक्षा के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रमों हेतु आधिकारिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इस क्रम में लविवि प्रशासन ने बताया कि विशेष रूप से एम फार्म फार्मास्युटिक्स तथा एम फार्म फार्माकोलॉजी पाठ्यक्रमों को पीसीआई से विधिवत मान्यता प्राप्त होना संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से इन दोनों स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 15-15 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। यह स्वीकृति संस्थान की उच्च स्तरीय अधोसंरचना, उन्नत प्रयोगशालाओं एवं शोध.सुविधाओं की औपचारिक पुष्टि करती है। इसके अतिरिक्त पूर्व से संचालित बी फार्म स्नातक पाठ्यक्रम एवं डी फार्म डिप्लोमा पाठ्यक्रम को भी शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु पीसीआई द्वारा पुन: मान्यता प्रदान की गई है। इस प्रकार संस्थान अब स्नातक से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक फार्मेसी शिक्षा के सभी प्रमुख आयामों को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संचालित करने में सक्षम है। इस मौके पर विवि के कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने कहा कि एम फार्म पाठ्यक्रमों की स्वीकृति संस्थान की शैक्षणिक प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इससे विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षाए शोध एवं विशेषज्ञता विकसित करने के व्यापक अवसर प्राप्त होंगे।

I NEXT

एलयू मे नए सेशन से एफफार्म की पढ़ाई

एमफार्म फार्मास्युटिकल और फार्माकोलाजी की 15-15 सीटो पर होंगे एडमिशन

LUCKNOW (5 MARCH): लखनऊ यूनिवर्सिटी में सेशन 2026-27 से एमफार्म कोर्स की भी पढ़ाई होगी. फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया ने एलयू के सेकंड कैंपस में एमफार्म (फार्मास्युटिक्स) और एमफार्म (फार्माकोलाजी) कोर्सों के संचालन की मंजूरी दी है. संस्थान के लिए यह बड़ी उपलब्धि है. अब एलयू में यूजी से लेकर पीजी तक फार्मेसी की शिक्षा ली जा सकेगी.

अभी चल रहे ये कोर्स

जानकीपुरम स्थित लखनऊ यूनिवर्सिटी के सेकंड कैंपस में इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्युटिकल साइंसेज में अभी यूजी स्तर पर बीफार्म और डीफार्म (डिप्लोमा कोर्स) चल रहे हैं. बीफार्म की 100 सीटों पर कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट और डीफार्म में एलयू के इंट्रेंस एग्जाम से एडमिशन लिए जाते हैं. पीसीआइ ने इन दोनों की अगले सेशन की पुनः मान्यता दी है. वीसी प्रोफेसर जेपी सैनी ने कहा कि एमफार्म कोर्सों की स्वीकृति संस्थान की शैक्षणिक प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

CONCEPT PIC.

100 सीटों पर बीफार्म की कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट और डीफार्म में एलयू के इंट्रेंस एग्जाम से एडमिशन लिए जाते हैं

दोनों कोर्सों में 15-15 सीटें

लखनऊ यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि पहली बार एमफार्म के दोनों कोर्सों में 15-15 सीटों पर एडमिशन होंगे. यह स्वीकृति संस्थान की उच्च स्तरीय अधोसंरचना, उन्नत प्रयोगशालाओं एवं शोध-सुविधाओं की औपचारिक पुष्टि करती है. पीजी के इन कोर्सों की अवधि दो साल (चार सेमेस्टर) की होगी. यूनिवर्सिटी प्रशासन का कहना है कि इन कोर्सों में सीयूईटी पीजी या ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टीट्यूड टेस्ट (जीपैट) की मेरिट से एडमिशन लेने पर विचार विमर्श किया जा रहा है. गौरतलब है कि बीते दो-तीन वर्षों के दौरान लखनऊ यूनिवर्सिटी में कई नए कोर्स शुरू किया गए हैं.

NBT

LU: फार्मेसी संकाय के दो कोर्स को PCI से मान्यता

■ NBT न्यूज, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय में छात्र-छात्राएं पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई भी कर सकेंगे। अभी तक यहां पर अंडर ग्रेजुएशन में बी फार्मा और डिप्लोमा में डी फार्मा की पढ़ाई हो रही है। एलयू ने संकाय में पीजी कोर्स शुरू करने के लिए फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) में आवेदन किया था जिसे मान्यता मिल गई है। अब एलयू इन दोनों कोर्स में 15 -15 सीट पर एडमिशन कर सकेगा।

> नए सत्र में 15 -15 सीटों पर एडमिशन का रास्ता साफ

प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि पीसीआई से मान्यता मिलना संस्थान के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से इन दोनों स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 15-15 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। पीसीआई ने एलयू में पूर्व से संचालित बी.फार्म (स्नातक पाठ्यक्रम) एवं डी.फार्मा (डिप्लोमा पाठ्यक्रम) को भी पुनः शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए मान्यता प्रदान कर दी है। मान्यता मिलने पर वीसी प्रो. जेपी सैनी ने फैकल्टी के सदस्यों को बधाई दी है।

लविवि में शुरू होंगे एम फार्मा के पाठ्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लविवि के फार्मास्युटिकल साइंसेज को पीसीआई से मिली मान्यता
- शैक्षणिक सत्र 2026-27 से शुरू होंगे एम फार्मा पाठ्यक्रम

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित 'इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज' ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारतीय भेषजी परिषद (फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया) ने संस्थान में संचालित होने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों को अपनी आधिकारिक स्वीकृति प्रदान कर दी है।

संस्थान के इतिहास में पहली बार पीसीआई ने दो प्रमुख स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को विधिवत मान्यता दी है जिनमें एम. फार्म (फार्मास्युटिक्स) और एम. फार्म (फार्माकोलॉजी) शैक्षणिक सत्र 2026-27 से इन दोनों विषयों में 15-15 सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

बी फार्मा और डी फार्मा को मिली मान्यता

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ-साथ संस्थान में पहले से संचालित बी. फार्म (स्नातक) और डी. फार्म (डिप्लोमा) पाठ्यक्रमों को भी पीसीआई द्वारा पुनः मान्यता प्रदान की गई है। अब यह संस्थान डिप्लोमा से लेकर मास्टर डिग्री तक फार्मेसी शिक्षा के सभी मानकों को पूरा करने वाला एक पूर्ण शैक्षणिक केंद्र बन गया है।

इस संबंध में कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो. जेपी सैनी ने बताया कि एम. फार्म पाठ्यक्रमों की स्वीकृति विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। इससे न केवल विद्यार्थियों को शोध के बेहतर अवसर मिलेंगे, बल्कि प्रदेश में फार्मेसी शिक्षा को एक नई गुणवत्ता और दिशा प्राप्त होगी।

AMRIT VICHAR

एलयू के छात्र ने राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में किया प्रतिनिधित्व

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय बीए तृतीय वर्ष के छात्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक अभय प्रताप मिश्रा ने राष्ट्रीय एकीकरण शिविर (एनआईसी) में लखनऊ विश्वविद्यालय से उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। विशेष बात यह रही कि वे इस राष्ट्रीय स्तर के शिविर में लखनऊ विश्वविद्यालय और इससे संबद्ध 150 महाविद्यालयों से चयनित होने वाले एकमात्र छात्र थे। 22 से 28 फरवरी तक आयोजित इस सात दिवसीय शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने भाग लिया। शिविर के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, समूह चर्चा, सामाजिक जागरूकता अभियान एवं सामुदायिक सेवा गतिविधियों में अभय ने सक्रिय सहभागिता निभाई। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी एवं विश्वविद्यालय प्रशासन को दिया।

लविवि में विदेशी छात्रों ने खेली होली

- अमृत विचार, लखनऊ: लविवि में बीरबल साहनी और आचार्य नरेंद्र देव अंतराष्ट्रीय छात्रावासों में होली खेली। कुलपति प्रो. जे. पी. सैनी तथा डी.एस.डब्ल्यू. प्रो. वी. के. शर्मा ने वर्चुअल माध्यम से विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। अफगानिस्तान से आए एक छात्र ने कहा कि मैंने किताबों में रंगों के त्योहार के बारे में पढ़ा था, लेकिन आज इसे साक्षात जीना अद्भुत अनुभव रहा। लखनऊ विश्वविद्यालय ने हमें कभी महसूस ही नहीं होने दिया कि हम अपने घर से दूर हैं। यहां का गुलाल और गुजिया अब मेरी पसंदीदा यादों में से एक है। अफ्रीकी मूल की छात्रा ने कहा कि होली के रंग केवल चेहरों पर नहीं, बल्कि हमारे दिलों पर भी चढ़ गए हैं।